सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान परेशानियों व खतरों को लेकर दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

उपकरणों से लैस होकर सफाईकर्मी अब करेंगे काम

प्रशिक्षण देते अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर नगर निगम द्वारा पहल की गई है। अपनी जान जोखिम में सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले कर्मचारियों को नगर निगम द्वारा अब अत्याधुनिक उपकरणों से लैस करने के साथ ही उन्हें इसके इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ननि द्वारा यूनिसेफ की मदद से सफाई के क्षेत्र में कार्य करने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था वाश इंस्टीट्यूट के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग का तरीका बता रही है ताकि किसी भी बड़ी घटना से निपटा जा सके। बता दें कि देशभर में स्वच्छता प्रबंधन की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे है और नगर निगम अंबिकापुर स्वच्छता प्रबंधन में देश में पहले नंबर पर आता है।

खास बात

- उपकरण खरीदी के लिए राशि स्वीकृत, यूनिसेफ के सहयोग से कार्यशाला

स्वच्छता प्रबंधन में नालियों, सड़क व घरों के कचरे की सफाई के साथ ही एक महत्वपूर्ण अंक सेप्टिक टैंक की सफाई और फिकल स्लज का ट्रीटमेंट भी है। नगर निगम फिकल स्लज ट्रीटमेंट की दिशा में कार्य कर रहा है और एफएसटीपी प्लांट की मदद से फिकल स्लज का प्रबंधन भी किया जा रहा है लेकिन इन सब के बीच प्रतिदिन लोगों के घरों के सेप्टिक टैंक साफ करने वाले कर्मचारी बड़ी चुनौतियों के बीच इस सफाई के कार्य को अंजाम देते है। सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान अलग अलग स्थानों से कर्मचारियों के सेप्टिक टैंक में गिरने, जहरीली गैस के कारण मौत की खबरें आती रहती है। ऐसे में नगर निगम द्वारा अपने कर्मचारियों की सुरक्षा की दृष्टि से बड़े पैमाने पर पहल की गई है ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी संभावित घटना से निपटा जा सके।

चेंबर में होती है जहरीली गैस

प्रशिक्षण देने पहुंचे मास्टर ट्रेनर ए रहमान ने बताया कि सेप्टिक टैंक में कार्बन मोनो ऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथेन सहित अन्य जहरीली गैस होती है। ऐसे में यदि कोई कर्मचारी सफाई कार्य के दौरान गलती से टैंक में गिर जाता है तो उसकी मौत हो सकती है। इस लिए किसी भी सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सबसे पहले उसके ढक्कन को थोड़ा सा हटाकर मीटर से जहरीली गैस का पता लगाया जा सकता है और यदि टैंक में जहरीली गैस मौजूद है तो उसे एयर ब्लोवर की मदद से बाहर निकाला जा सकता है। इसके साथ ही कर्मचारियों को गैस मास्क, हेलमेट, बॉडी सूट, ट्राइपेट, जेटिंग कम सक्शन मशीन के उपयोग की जानकारी प्रदान की गई।

की जाएगी उपकरणों की खरीदी

नगर निगम सेप्टिक टैंक की सफाई डिस्लेजिंग मशीनों की मदद से करता है और निगम के पास कुछ सुरक्षा उपकरण भी मौजूद है लेकिन इस प्रशिक्षण के साथ ही नगर निगम द्वारा अन्य सुरक्षा उपकरणों की भी खरीदी की जाएगी। इसके लिए नगर निगम आयुक्त द्वारा पांच लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है ताकि जरुरत पड़ने पर उपकरणों का उपयोग किया जा सके। नगर निगम द्वारा गैस मास्क, हेलमेट, बॉडी सूट, ट्राइपेट, गैस मॉनिटर, एयर ब्लोवर, मीटर सहित अन्य उपकरणों की खरीदी की जानी है।

निर्माण के साथ बढ़ रही चुनौतियां

पूर्व में सेप्टिक टैंक खुले स्थान पर होते थे और इनमें एक गैस पाइप लगा होता था लेकिन शहर का तेजी से विकास हो रहा है और कालोनियों के निर्माण के साथ ही बड़े पैमाने पर बड़े घर बन रहे है। जगह की कमी के कारण अब सेप्टिक टैंक को पूरी तरह से पैक कर दिया जाता है जिससे सेप्टिक टैंक के अंदर गैस भरते रहते है और ये जहरीले गैस जानलेवा होते है। ऐसे में ननि द्वारा सफाईकर्मियों को सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

चार दिनों का होगा प्रशिक्षण

नगर निगम द्वारा अपने सफाई कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए यूनिसेफ की मदद से वाश इंस्टीट्यूट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वाश इंस्टीट्यूट दिल्ली से पहुंचे मास्टर ट्रेनर ए रहमान व यूनिसेफ से प्रतीक द्वारा सफाई कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान ननि आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई व रितेश सैनी की उपस्थिति में एक बार में लगभग 50 कर्मियों को प्रशिक्षण दो दिनों में दिया गया है जिसमें उन्हें डाटा सेंटर में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के साथ ही फील्ड में उनसे प्रैक्टिकल भी कराए गए।